RNI : UAHIN/25/A3210

आवाम इंडिया

हिन्दी साप्ताहिक

उत्तराखण्ड बोर्ड ने घोषित किया परीक्षाफल सुधार परीक्षा का रिजल्ट पेज 2

वर्षः 01 | अंकः 18 देहरादून, शुक्रवार 21 अगस्त 2026 | मूल्य 2 रुपये | पृष्ठः 8 | www.aawamindia.com

सदैव साथ-साथ चलते हैं विकास और संरक्षणः उपराष्ट्रपति

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी में भारतीय वन सेवा के 2025-2027 बैच के परिवीक्षाथियों और प्रशिक्षण कार्यक्रम में हुए शामिल

उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी में भारतीय वन सेवा (आईएफएस) के 2025-2027 बैच के परिवीक्षाथियों और प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे रॉयल भूटान वन सेवा के अधिकारियों को संबोधित किया। इस मौके पर उपराष्ट्रपति ने कहा कि विकसित भारत/2047 की दिशा में आगे बढ़ते हुए आने वाले महत्वपूर्ण दशकों में वे भारत के वनों, वन्यजीवों, जैव विविधता और बहुमूल्य प्राकृतिक संसाधनों के प्रबंधन की जिम्मेदारी संभालेंगे। उन्होंने कहा कि

उन्होंने कहा कि विकास और संरक्षण एक-दूसरे के विरोधी नहीं हैं और सदैव साथ-साथ चल सकते हैं। उन्होंने अधिकारियों से संरक्षण और विकास, पारिस्थितिक सुरक्षा और आजीविका तथा वर्तमान आवश्यकताओं और भावी पीढ़ियों के हितों के बीच संतुलन स्थापित करने का आग्रह किया।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी में अधिकारी प्रशिक्षुओं को बधाई देते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि विकसित भारत/2047 की दिशा में आगे बढ़ते हुए आने वाले महत्वपूर्ण दशकों में वे भारत के वनों, वन्यजीवों, जैव विविधता और बहुमूल्य प्राकृतिक संसाधनों के प्रबंधन की जिम्मेदारी संभालेंगे। उन्होंने कहा कि देश की पारिस्थितिक सुरक्षा को सुदृढ़ करने और वर्ष 2070 तक शुद्ध-शून्य उत्सर्जन के लक्ष्य को प्राप्त करने में भारतीय वन सेवा का योगदान महत्वपूर्ण है।

व्यक्तिगत उत्कृष्टता के बजाय टीम की उत्कृष्टता का आह्वान करते हुए सी. पी. राधाकृष्णन ने कहा कि निरंतर सामूहिक प्रयास ही राष्ट्रों और संस्थानों का निर्माण करता है।

उन्होंने पीढ़ियों से वनों और प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्रों के साथ सामंजस्य में जीवन जीने वाले समुदायों द्वारा संचित पारंपरिक ज्ञान का सम्मान करने की आवश्यकता पर बल दिया।

लोक सेवा में सत्यनिष्ठा के महत्व पर जोर देते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि "सत्यनिष्ठा से कोई समझौता नहीं किया जा सकता" और कठिन निर्णयों में संविधान, कानून, विज्ञान तथा व्यापक जनहित का मार्गदर्शन होना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों को अपनाने के लिए भी प्रोत्साहित किया।

वानिकी में प्रौद्योगिकी की बढ़ती भूमिका को रेखांकित करते हुए उन्होंने नई पीढ़ी के अधिकारियों से क्षेत्रीय अनुभव, विवेकपूर्ण निर्णय क्षमता और लोगों के प्रति संवेदनशीलता के साथ रिमोट सेंसिंग, जीआईएस, ड्रोन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डेटा-आधारित प्रणालियों को समन्वित करने का आह्वान किया।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि भारत के सतत भविष्य के निर्माण में आधुनिक वैज्ञानिक वानिकी और भारत के सभ्यतागत ज्ञान को एक-दूसरे का पूरक बनना होगा। उपराष्ट्रपति ने वन सेवाओं में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी का भी उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि वर्तमान बैच में लगभग 17 प्रतिशत महिलाएं हैं और इसे एक उत्साहजनक बदलाव तथा नारी शक्ति का प्रमाण बताया।

अधिकारियों को अपने करियर का आकलन केवल उनके द्वारा धारण किए गए पदों से न करने की सलाह देते हुए उपराष्ट्रपति ने उनसे अपने योगदान का आकलन पुनर्स्थापित किए गए वनों, संरक्षित किए गए

वन्यजीवों, जिन समुदायों का विश्वास उन्होंने अर्जित किया है और भावी पीढ़ियों के लिए छोड़ी गई विरासत के आधार पर करने का आग्रह किया। उन्होंने अधिकारियों से सदैव राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने का आह्वान करते हुए कहा "राष्ट्र प्रथम"।इस अवसर पर उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेवानिवृत्त), उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, आईजीएनएफए के निदेशक डॉ. राजेंद्र प्रसाद, कोर्स निदेशक श्रीमती अजीता लोंगजाम तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

प्रकृति के प्रहरी होते हैं वन अधिकारीः मुख्यमंत्री

उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (से.नि.) गुरमीत सिंह की उपस्थिति में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भी प्रतिभाग किया और कहा कि वन सेवा देश की प्राकृतिक विरासत, जैव विविधता और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड का लगभग 70 प्रतिशत भू-भाग वनों से आच्छादित है और यहां के पर्वत, नदियां, वन एवं समृद्ध जैव विविधता प्रदेश की विशिष्ट पहचान हैं। ऐसे में वनों का संरक्षण केवल प्रशासनिक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य से जुड़ा दायित्व भी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जलवायु परिवर्तन की वैश्विक चुनौती के दौर में वन अधिकारियों की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो गई है। उन्होंने परिवीक्षार्थियों का आह्वान किया कि वे आधुनिक तकनीक एवं प्रशासनिक दक्षता का उपयोग करते हुए वन संरक्षण के साथ-साथ वन क्षेत्रों में रहने वाले स्थानीय समुदायों के हितों को भी प्राथमिकता दें। उन्होंने कहा कि वन अधिकारी केवल प्रशासनिक अधिकारी नहीं, बल्कि 'प्रकृति के प्रहरी' हैं और उन्हें अपने अधिकारों के साथ अपनी जिम्मेदारियों तथा अपने ज्ञान के साथ संवेदनशीलता को भी सर्वोच्च स्थान देना चाहिए।

किनारे होते-होते मुख्यधारा में आ जाते हैं तीरथ रावत

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की टीम में उपाध्यक्ष की मिली है जिम्मेदारी

मौ. वसी जैदी

देहरादूनः भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की टीम में उत्तराखंड के 4 बड़े नेताओं को जगह मिली है। इस नई टीम में उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत को भी शामिल किया गया है। तीरथ सिंह रावत को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गयी है। लोकसभा चुनाव 2024 में गढ़वाल से टिकट ना मिलने के बाद तीरथ सिंह रावत के पास पार्टी में कोई जिम्मेदारी नहीं थी, अब करीब दो साल के बाद तीरथ सिंह रावत फिर सक्रिय राजनीति में आ गये हैं। एक बार फिर उनके घर पर बधाई देने वालों को तांता लगना शुरू हो गया है। ये उनकी राजनीति का अंदाज है कि किनारे होते-होते तीरथ सिंह रावत मुख्यधारा में आ जाते हैं।

तीरथ सिंह रावत का राजनीतिक सफर तीन दशकों से अधिक पुराना है। छात्र राजनीति और संगठन से शुरू हुआ उनका सफर उत्तर प्रदेश विधान परिषद से होते हुए उत्तराखंड के गठन के बाद पहली सरकार में मंत्री, विधायक, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष, राष्ट्रीय सचिव, लोकसभा सांसद और मुख्यमंत्री तक पहुंचा। अब राष्ट्रीय उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी उनके राजनीतिक सफर में एक नया अध्याय जोड़ती है।

तीरथ सिंह रावत का राजनीतिक जीवन मूलतः संगठनात्मक गतिविधियों से जुड़ा रहा है। उत्तराखंड राज्य बनने से पहले वे उत्तर प्रदेश विधान परिषद के सदस्य रहे। उपलब्ध सार्वजनिक रिकॉर्ड के अनुसार 1997 से 2002 तक वे उत्तर प्रदेश विधान परिषद के सदस्य रहे। उत्तराखंड राज्य के गठन के बाद वर्ष 2000 में उन्हें

नवगठित राज्य की पहली सरकार में शिक्षा मंत्री की जिम्मेदारी मिली और वे 2000 से 2002 तक इस पद पर रहे।

2007 में उन्हें उत्तराखंड भाजपा का प्रदेश महामंत्री बनाया गया। इसके साथ ही वे प्रदेश चुनाव अधिकारी और प्रदेश सदस्यता प्रमुख जैसी संगठनात्मक जिम्मेदारियों से भी जुड़े। संगठन में काम करने के अनुभव ने आगे चलकर उनकी राजनीतिक भूमिका को मजबूत आधार दिया।

वर्ष 2012 में तीरथ सिंह रावत चौबट्टाखाल विधानसभा क्षेत्र से विधायक निर्वाचित हुए।

वर्ष 2013 में उन्हें उत्तराखंड भाजपा का प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया। वे दिसंबर 2015 तक इस पद पर रहे। यह उनके राजनीतिक जीवन का महत्वपूर्ण दौर था लेकिन वर्ष 2017 में चौबट्टाखाल से पार्टी ने उनका टिकट काटकर कांग्रेस से भाजपा में आए सतपाल महाराज को उम्मीदवार बनाया। तीरथ सिंह रावत ने पार्टी के इस निर्णय को स्वीकार किया और पार्टी ने उन्हें भाजपा का राष्ट्रीय सचिव बना दिया।

वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने तीरथ सिंह रावत को पौड़ी गढ़वाल लोकसभा सीट से मैदान में उतारा। उन्होंने कांग्रेस प्रत्याशी मनीष खंडूड़ी को बड़े अंतर से पराजित किया और पहली बार लोकसभा पहुंचे।

तीरथ सिंह रावत के राजनीतिक जीवन का सबसे बड़ा मोड़ 10 मार्च 2021 को आया, जब उन्होंने उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। वे उत्तराखंड के दसवें मुख्यमंत्री बने। मुख्यमंत्री के रूप में उनका कार्यकाल हालांकि बहुत छोटा रहा। संवैधानिक और चुनावी परिस्थितियों के चलते उन्हें कुछ महीनों बाद मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा। इसके बाद पुष्कर सिंह धामी को राज्य की कमान सौंपी गई।

वर्ष 2024 में तीरथ सिंह रावत को गढ़वाल लोकसभा सीट से प्रत्याक्षी नहीं बनाया गया।

शेष पृष्ठ 2 पर

उत्तराखंड बोर्ड ने घोषित किया परीक्षाफल सुधार परीक्षा का रिजल्ट

संवाददाता

रामनगर/देहरादून। उत्तराखंड विद्यालयी शिक्षा परिषद् ने हाईस्कूल एवं इण्टरमीडिएट परिषदीय परीक्षाफल सुधार परीक्षा 2026 का परीक्षा परिणाम घोषित कर दिये है। परीक्षाफल सुधार परीक्षा-2026 के तहत हाईस्कूल का कुल परीक्षा परिणाम 83.13 फीसदी रहा जबकि इण्टरमीडिएट में परीक्षा परिणाम 73.35 फीसदी रहा। इसके साथ ही अब बोर्ड परीक्षा के कुल परीक्षा परिणामों के आंकड़ों में भी वृद्धि हुई है। उत्तराखंड विद्यालयी शिक्षा परिषद के सभापति व निदेशक माध्यमिक शिक्षा वी.पी. सिमल्टी ने बताया कि बोर्ड ने हाईस्कूल एवं इण्टरमीडिएट परिषदीय परीक्षाफल सुधार परीक्षा 2026 (प्रथम) एवं परीक्षाफल सुधार परीक्षा 2025 कर दिया है। परीक्षाफल सुधार

(तृतीय) का परीक्षा परिणाम घोषित परीक्षा 2026 (प्रथम) के तहत हाईस्कूल का कुल परीक्षाफल 83.13 फीसदी रहा। जिसमें बालकों का उत्तीर्ण प्रतिशत 82.61 प्रतिशत तथा बालिकाओं का 84.34 प्रतिशत रहा। इसी प्रकार इण्टरमीडिएट में कुल परीक्षाफल 73.35 फसदी रहा। जिसमें बालकों का उत्तीण प्रतिशत 71.20 प्रतिशत तथा बालिकाओं का 76.07 प्रतिशत रहा। उन्होंने बताया कि परीक्षाफल सुधार परीक्षा के उपरांत बोर्ड परीक्षा के कुल परीक्षा परिणामों के आंकड़ों में भी वृद्धि हुई है। जिसके तहत हाईस्कूल का कुल परीक्षाफल 92.10 फीसदी से बढ़कर 96.07 फीसदी हो गया है, जिसमें 93.94 फीसदी बालक व 98.14 फीसदी बालिकाएं हैं। इसी प्रकार इण्टरमीडिएट में भी उत्तीर्ण प्रतिशत में जबरदस्त उछाल आया है। पहले जहां 85.11 फीसदी छात्र-छात्राएं उत्तीर्ण हुई अब इनकी संख्या बढ़कर 91.80 फीसदी हो गई है।

जिसमें 89.26 फीसदी बालक और 94.16 फीसदी बालिकाएं शामिल हैं। परिसद के सभापति वी.पी. सिमल्टी ने बताया कि बोर्ड ने परीक्षाफल सुधार परीक्षा 2025 (तृतीय) के परीक्षा परिणाम भी घोषित कर दिये हैं। जिसमें हाईस्कूल का कुल परीक्षा परिणाम 66.67 फीसदी रहा। जिसमें बालकों का परीक्षाफल 71.88 फीसदी तथा बालिकाओं का 57.89 फीसदी रहा। इसी प्रकार इण्टरमीडिएट का कुल परीक्षा परिणाम 58.70 फीसदी रहा। जिसमें बालकों का उत्तीर्ण प्रतिशत 61.54 तथा बालिकाओं का 55.00 फीसदी रहा।डॉ. धन सिंह रावत विद्यालयी शिक्षा मंत्री उत्तराखंड ने कहा कि परीक्षाफल सुधार परीक्षा उन छात्र-छात्राओं के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है, जो मुख्य बोर्ड परीक्षा में किसी विषय में अनुत्तीर्ण रह गये हों या फिर अपने अंकों में सुधार करना चाहते हों। इसके माध्यम से छात्र-छात्राओं को अपनी मेहनत के बल पर बेहतर परिणाम प्राप्त करने का एक और अवसर मिलता है। परीक्षाफल सुधार परीक्षा में उत्तीर्ण सभी छात्र-छात्राओं एंव उनके अभिभावकों को बधाई व शुभकामनाएं।

खटकड़ कलां गाँव में स्थित है महान क्रांतिकारी शहीद-ए-आजम भगत सिंह का पैतृक घर

देहरादून। महान क्रांतिकारी शहीद-ए-आजम भगत सिंह का पैतृक (पुश्तैनी) घर पंजाब के शहीद भगत सिंह नगर जिले (पुराना नवांशहर) के खटकड़ कलां गाँव में स्थित है। यद्यपि भगत सिंह का जन्म बंगा, लायलपुर (अब पाकिस्तान) में हुआ था, लेकिन उनके परिवार की मूल जड़ें और पैतृक घर इसी खटकड़ कलां गाँव में थीं। यह पुश्तैनी मकान लगभग 1891 में बना था।

इस ऐतिहासिक धरोहर को अब सरकार और पुरातत्व विभाग द्वारा सहेज कर रखा गया है। घर के अंदर पुरानी वस्तुएं जैसे हाथ से चलने वाली आटा चक्की, चरखा, पुराने बर्तन और चारपाई आज भी रखी हुई हैं। देश के विभाजन के बाद भगत सिंह की माताजी (विद्यावंती जी) इसी घर में रहीं और उन्होंने अपने जीवन के अंतिम दिन यहीं बिताए थे। गाँव में भगत सिंह की याद में एक भव्य संग्रहालय और स्मारक भी बनाया गया है।

खटकर कलां एक ऐतिहासिक गाँव है जिसे सरदार किशन सिंह, सरदार अजीत सिंह, सरदार स्वर्ण सिंह, शहीद-ए-आजम सरदार भगत सिंह जैसे प्रसिद्ध देशभक्तों और स्वतंत्रता सेनानियों का गाँव होने का गौरव प्राप्त है। खटकर कलां बंगा स्टेशन के अंतर्गत आता है। यह गांव अपनी विशेष विशेषताओं के कारण प्रसिद्ध है।" "यह स्थान एक किले के रूप में जाना जाता था। इसका संबंध एक सामंती सरदार से था। इससे सटे अन्य किले भी थे, लेकिन वे इसके मुकाबले छोटे थे। इसीलिए उन्हें गढ़ खुर्द के नाम से जाना जाता था।

भगत सिंह का जन्म लायलपुर (अब पाकिस्तान के फैसलाबाद के बंगा) में हुआ और उनकी परवरिश भी वहीं हुई, लेकिन वह अपने दादा अर्जुन सिंह के साथ बचपन में छुट्टियों में पैतृक गांव खटकड़ कलां आया करते थे। भगत सिंह के छोटे भाई कुलबीर सिंह के पोते यादविंदर सिंह बताते हैं, ''खटकड़ कलां में प्लेग फैलने के कारण ब्रिटिश सरकार ने गांव के लोगों को लायलपुर में जमीन आवंटित की थी, ताकि वे वहां खेती कर अपने परिवार का पालन कर सकें।'' प्लेग के कारण ही भगत सिंह का परिवार खटकड़ कलां छोड़कर लायलपुर चला गया था।

भगत सिंह का परिवार शुरू से ही अंग्रेजों के जुल्म के खिलाफ लड़ता रहा। उनके दादा अर्जुन सिंह आर्य समाज के संस्थापक सदस्यों में से एक थे। उनके तीन बेटे किशन सिंह, अजीत सिंह और स्वर्ण सिंह भी आजादी के आंदोलन में शामिल रहे। अजीत सिंह को श्पगड़ी संभाल जट्टाश लहर के लिए जाना जाता है। भगत सिंह के पिता किशन सिंह के तीन बेटे थे। भगत सिंह, कुलबीर सिंह और कुलतार सिंह।

भगत सिंह जब जेल में थे और उन्हें मौत की सजा सुनाई गई, तो उन्होंने अपनी मां विद्यावती (पंजाब माता) को पत्र लिखा था, ''मेरी लाश लेने के लिए आप मत आना। भाई कुलबीर सिंह को भेज देना, क्योंकि आप मेरी लाश देखकर रो पड़ोगी।'' कुलबीर सिंह बाद में फिरोजपुर से विधायक बने और फिर दिल्ली में बस गए। भगत सिंह की माता विद्यावती भी बेटे कुलबीर के साथ रहने लगीं और वहीं उनका निधन भी हुआ।

खटकड़ कलां में रहने वाले शहीद भगत सिंह के परदादा फतेह सिंह ने 1885 में यहां घर का निर्माण किया। इसे दीवान खाना कहा जाता था। इसका निर्माण इस उद्देश्य से करवाया गया था, ताकि आने-जाने वाले लोग यहां रुक सके।

लोगों ने जब पूछा कि यह क्यों बनवा रहे हैं, तो उनका कहना था कि हुकूमतें तो आती-जाती रहेंगी, लेकिन लोगों के लिए कोई ठिकाना तो होना चाहिए।

यादविंदर सिंह बताते हैं कि इसी स्थान छत पर दो कमरें हैं। जब भगत सिंह खटकड़ कलां आते थे, तो उनमें से एक कमरे में रहते थे। अब इस पूरे मकान को हेरिटेज घोषित दिया गया है। भगत सिंह का ननिहाल गढ़शंकर (होशियारपुर) के पास मोरांवाली में है, जहां उनकी माता विद्यावती की यादगार है।

यादविंदर सिंह के अनुसार जिस दिन भगत सिंह का जन्म हुआ, उसी दिन उनके पिता किशन सिंह और चाचा अजीत सिंह की बर्मा जेल से रिहाई हुई। भगत सिंह की दादी का कहना था कि यह बहुत भागां वाला (भाग्यशाली) है। इसके जन्म पर पिता और चाचा की रिहाई हुई है, इसलिए इसका नाम भगत सिंह रखा जाए। भगत सिंह से उनकी बहन अमर कौर को बहुत प्यार था। जब भगत सिंह जेल में कैद थे, तो उन्होंने अपने हाथ से उनकी रिहाई वाली दुआ का रुमाल तैयार किया था, जो आज भी उनके भांजे प्रो. जगमोहन सिंह के पास है।

किनारे होते-होते मुख्यधारा में आ जाते हैं...

पृष्ठ 1 का शेष

उनके स्थान पर अनिल बलूनी को पार्टी ने मैदान में उतारा और उन्होंने भी उस सीट से जीत हासिल की। 2024 से तीरथ सिंह रावत सक्रिय राजनीति से लगभग दूर थे। अब एक बार पार्टी ने उनकी अहमियत को समझा है और: भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की टीम में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी है।

तीरथ सिंह रावत की राजनीति इसी तरह चौंकाती है। वर्ष 2015 में वो उत्तराखंड भाजपा के अध्यक्ष थे और 2017 में ही उनका चौबट्टाखाल से टिकट काटकर सतपाल महाराज को दे दिया गया था और दो साल बाद ही 2019 में उनके लोकसभा का टिकट मिल गया। 2021 में सबको चौंकाकर मुख्यमंत्री बन गये और इतनी ही जल्दी उन्हें हटा भी दिया गया। 2024 में उनका टिकट कट गया और अब 2026 में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बन गये। उनका जाना भी हैरान करने वाला होता है और वापिस आना भी। मगर एक चीज है जो कभी नहीं बदलती वो उनकी सौम्यता और सादगी है।

तीरथ सिंह रावत के प्रमुख पद एक नजर में

वर्ष-अवधि	जिम्मेदारी
1997-2002	उत्तर प्रदेश विधान परिषद सदस्य
2000-2002	उत्तराखंड के प्रथम शिक्षा मंत्री
2007	उत्तराखंड भाजपा प्रदेश महामंत्री
2012-2017	चौबट्टाखाल से भाजपा विधायक
2013-दिसंबर 2015	उत्तराखंड भाजपा प्रदेश अध्यक्ष
2013	उत्तराखंड दैवीय आपदा प्रबंधन सलाहकार समिति के अध्यक्ष
2017 के बाद	भाजपा के राष्ट्रीय सचिव सहित संगठनात्मक जिम्मेदारियां
2019-2024	पौड़ी गढ़वाल से लोकसभा सांसद
मार्च 2021-जुलाई 2021	उत्तराखंड के मुख्यमंत्री
2026	भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

मुख्य सचिव ने ली आपदा प्रबंधन के दृष्टिगत कुंभ मेला-2027 की तैयारियों को लेकर बैठक

देहरादून। मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने गुरुवार को सचिवालय में कुंभ मेला-2027 के दौरान आपदा प्रबंधन एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं की तैयारियों को लेकर सम्बन्धित विभागों एवं जिलाधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने निर्देश दिए कि संभावित आपदाओं एवं आपातकालीन परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए सभी तैयारियां पूर्व से पूरी कर ली जाएं, ताकि मेला अवधि में किसी भी आपात स्थिति में त्वरित एवं प्रभावी प्रतिक्रिया सुनिश्चित की जा सके। मुख्य सचिव ने कहा कि कुंभ मेला-2027 के लिए आपातकालीन कार्ययोजना एवं क्षेत्र-विशिष्ट प्लान तैयार किए जाएं। उन्होंने पूरे कुम्भ क्षेत्र की सेक्टरवार निकासी योजना तैयार किए जाने के निर्देष दिए। कहा कि क्राउड मैनेजमेंट, ट्रैफिक प्लान, इवेक्यूएशन प्लान और फायर कंट्रोल मैकेनिज्म को लेकर एक समेकित आपदा प्रबंधन योजना तैयार की जाए, जिसमें भूकंप, बाढ़ तथा केमिकल, बायोलॉजिकल, रेडियोलॉजिकल एवं न्यूक्लियर (सीबीआरएन) आपातकाल जैसी संभावित परिस्थितियों के लिए स्पष्ट एसओपी तैयार की जाए। मुख्य सचिव ने बाढ़, भूकम्प एवं सीबीआरएन आपदा प्रबंधन के लिए आवश्यक उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि केवल उपकरणों की खरीद पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनका ऑपरेशनल होना, नियमित रखरखाव और सम्बन्धित कार्मिकों को प्रशिक्षण दिया जाना भी आवश्यक है। उन्होंने उपकरणों से सम्बन्धित गैप का आंकलन कर एसडीआरएफ के माध्यम से कुंभ मेला-2027 के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने एटीएस को और मजबूत करने के निर्देश देते हुए कहा कि पर्वों एवं मेले के पीक टाइम को ध्यान में रखते हुए नियमित मॉक ड्रिल आयोजित की जाएं। आपातकालीन परिस्थितियों को वास्तविक रूप से सिम्युलेट कर उनके दौरान अपनाए जाने वाले वैकल्पिक मार्गों एवं रिस्पांस मैकेनिज्म का परीक्षण किया जाए। उन्होंने कहा कि सभी व्यवस्थाओं का उद्देश्य आपात स्थिति में रिस्पांस टाइम को न्यूनतम करना होना चाहिए। मुख्य सचिव ने एआई एवं आधुनिक तकनीक के उपयोग पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि कुंभ मेले के दौरान विभिन्न विभागों से प्राप्त सूचनाओं एवं अनुभवों का व्यवस्थित डेटाबेस तैयार किया जाए, ताकि भविष्य के आयोजनों में इसका उपयोग किया जा सके। उन्होंने आवश्यक तकनीकी एवं विशेषज्ञ सहयोग के लिए आईटीडीए, आपदा प्रबंधन विभाग सहित संबंधित संस्थाओं की सहायता लेने तथा आवश्यकता के अनुसार विशेषज्ञों को हायर करने के भी निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने कम्युनिकेशन मैनेजमेंट मजबूत किए जाने के निर्देष दिए हैं। उन्होंने कहा कि अफवाहों की रोकथाम के लिए भी प्रभावी व्यवस्था विकसित की जाए। साथ ही मेले के दौरान अतिरिक्त भीड़ एवं पीक टाइम को ध्यान में रखते हुए मोबाइल नेटवर्क की क्षमता बढ़ाने तथा आवश्यकतानुसार अतिरिक्त मोबाइल टावर एवं संचार सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने कंट्रोल रूम को मजबूत करने तथा सभी संबंधित विभागों के साथ आवश्यक समन्वय बैठकें कर व्यवस्थाओं को समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कुंभ मेला-2027 एक बड़े स्तर का आयोजन है और इसके लिए सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए किसी भी संभावित आपदा से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार रहना होगा।

इस अवसर पर सचिव श्री शैलेश बगौली, श्री नितेश कुमार झा, श्री विनय शंकर पाण्डेय, आयुक्त गढ़वाल श्री आनन्द स्वरूप एवं मेलाधिकारी श्रीमती सोनिका, सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी एवं जिलाधिकारी उपस्थित रहे।

राजीव गांधी को उनके जन्म दिन पर किया श्रद्धा पूर्वक याद

देहरादून। प्रदेश कांग्रेस सेवादल के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने आज आधुनिक भारत के निर्माता, भारत रत्न, पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी के जन्म दिवस पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी कार्यालय, राजीव भवन 21, राजपुर रोड़, देहरादून में स्व. राजीव गांधी को श्रद्धापूर्वक याद करते हुए उनके चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें अपने श्रद्धासुमन अर्पित किये। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस सेवादल की अध्यक्ष श्रीमती हेमा पुरोहित की अध्यक्षता में एक गोष्ठी कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया जिसमें बडी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता एवं वरिष्ठ नेतागण उपस्थित थे। गोष्ठी का संचालन प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता डॉ0 प्रतिमा सिंह ने किया। इस अवसर पर कांग्रेस सेवादल द्वारा राजीव गांधी जी की उपलब्धियों पर प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया।

इससे पूर्व कांग्रेसजनों ने स्व0 राजीव जी की मूर्ति पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित करते हुए राजीव गांधी अमर रहे, जब तक सूरज चांद रहेगा राजीव तेरा नाम रहेगा आदि नारे लगाकर अपने प्रिय नेता को श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर आयोजित गोष्ठी में प्रदेश कांग्रेस महामंत्री संगठन राजेन्द्र सिंह भंडारी ने स्व0 राजीव गांधी जी को भारत में सूचना क्रान्ति का जनक बताते हुए कहा कि उन्होंने देश को शक्तिशाली व सम्पन्न राष्ट्रों की श्रेणी में खड़ा करते हुए भारत की एकता व अखण्डता के लिए अपना सर्वस्व बलिदान कर दिया था। उन्होंने कहा कि स्व0 राजीव गांधी जी ने संविधान में संशोधन कर पंचायतों को अधिकार सम्पन्न बनाकर युवाओं को मतदान का अधिकार देकर देश की मुख्य धारा से जोड़ने तथा भारत के लोकतंत्र को मजबूत बनाने की पहल की थी। भारत को आर्थिक महाशक्ति व सूचना क्रान्ति में अग्रणी देश बनाने की बुनियाद भी राजीव गांधी जी ने डाली थी उन्हीं के प्रयासों के कारण आज विश्व के देश भारत को महाशक्ति बनते देख रहे हैं। पड़ोसी देशों से मधुर सम्बन्ध बनाने की पहल स्व0 राजीव गांधी जी द्वारा की गई थी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी का सदैव ही पंचायतों की मजबूती व उन्हें अधिकार सम्पन्न बनाये जाने पर जोर रहा है। पंचायतों की इसी मजबूती के लिए स्व0 राजीव गांधी के प्रधानमंत्रित्वकाल में कांग्रेस द्वारा संविधान में 73वें एवं 74वें संशोधन के माध्यम से पंचायतों को और अधिक प्रभुतासम्पन्न बनाने का कार्य किया गया। स्व0 राजीव गांधी जी को आधुनिक भारत का निर्माता बताते हुए कहा कि उन्होंने देश को शक्तिशाली व सम्पन्न राष्ट्रों की श्रेणी में खड़ा करते हुए भारत की एकता व अखण्डता के लिए अपना सर्वस्व बलिदान कर दिया था।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही प्रदेश सेवादल अध्यक्ष श्रीमती हेमा पुरोहित ने कहा कि स्व0 राजीव गांधी ने भारत को 21वीं सदी में ले जाने का जो सपना देखा था वह आज साकार हो गया है। स्व0 राजीव जी को आधुनिक भारत का निर्माता बताते हुए उन्होंने कहा कि राजीव जी ने न केवल सूचना के क्षेत्र में नई क्रान्ति का संचार किया बल्कि पंचायतों की स्वायत्तता तथा मजबूती के लिए जो कार्य किया वह मील का पत्थर साबित हुआ है। भारत को आर्थिक महाशक्ति व सूचना क्रान्ति में अग्रणी देश बनाने की बुनियाद भी राजीव गांधी जी ने डाली थी उन्हीं के प्रयासों के कारण आज विश्व के देश भारत को महाशक्ति बनते देख रहे हैं। सूचना तकनीक के क्षेत्र में भारत वर्ष की गिनती आज दुनिया के अग्रणी देशों में की जाती है जिसका श्रेय स्व0 राजीव गांधी जी को है।

स्व0 राजीव गांधी जी ने 18 वर्ष की आयु के युवाओं को मतदान का अधिकार देकर देश की मुख्य धारा से जोड़ने तथा भारत के लोकतंत्र को मजबूत बनाने की पहल की थी। उनके द्वारा उठाये गये कदमों से आज भारतीय महिलाएं देश के विकास में अपनी सहभागिता निभा रही हैं।

स्व0 राजीव जी ने भारत की एकता व अखण्डता के लिए अपने प्राणों का बलिदान तक कर दिया। हम सब को मिलकर एक शक्तिशाली भारत के निर्माण के उनके सपने को साकार करने के लिए अपनी सहभागिता निभानी है यही उन्हें हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

कार्यक्रम में प्रदेश महामंत्री संगठन राजेन्द्र सिंह भंडारी, प्रदेश महामंत्री राजेन्द्र शाह, प्रदेश महामंत्री विनोद चौहान, प्रदेश प्रवक्ता डॉ प्रतिमा सिंह प्रदेश महामंत्री सोनिया आनन्द, सुजाता पॉल, नीरज त्यागी, सेवादल अध्यक्ष हेमा पुरोहित, गोपाल सिंह गडिया,सहित सेवादल के अनेक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

एमडीडीए उपाध्यक्ष ने जारी किए अधिकारियों को निर्देश

देहरादून। मसूरी-देहरादून विकास प्राधिकरण में ऑनलाइन मानचित्र स्वीकृति प्रणाली को अधिक पारदर्शी, सुरक्षित और समयबद्ध बनाने के लिए उपाध्यक्ष बंशीधर तिवारी ने तकनीकी खामियों के तत्काल समाधान और आवेदकों को अनावश्यक परेशानी से बचाने के दृष्टिगत अधिकारियों को निर्देश दिए। तकनीकी त्रुटि के कारण स्वत:

निरस्त अथवा स्वीकृत हुई 399 पत्रावलियों को दोबारा प्रस्तुत कराने तथा उनका नियमानुसार निस्तारण सुनिश्चित करने को कहा गया।

ऑनलाइन प्रणाली में एक ही आवेदन की दोहरी पत्रावली बनने की समस्या के स्थायी समाधान के साथ निर्धारित समय-सीमा से पहले अधिकारियों को लंबित पत्रावलियों की सूचना देने के लिए सूचना एवं चेतावनी व्यवस्था विकसित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही प्राधिकरण के डिजिटल अभिलेखों की सुरक्षा के लिए अपना सुरक्षित सर्वर, नियमित सुरक्षित प्रतिलिपि तथा अभिलेखों को एकीकृत कर त्वरित जानकारी उपलब्ध कराने वाली ।ष् आधारित व्यवस्था विकसित की जाएगी।

उपाध्यक्ष ने वित्तीय कार्यों में भी पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करते हुए प्रतिदिन की वित्तीय प्रविष्टियों का उसी दिन मिलान करने तथा लंबित वित्तीय विवरणों को अद्यतन करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि तकनीकी खामी के कारण किसी आवेदक को परेशानी न हो और मानचित्र स्वीकृति की पूरी प्रक्रिया सरल, पारदर्शी एवं समयबद्ध हो।

सम्पादकीय

भाजपा की नई केंद्रीय टीमः बदलाव और जरूरत

भारतीय जनता पार्टी ने 17 अगस्त 2026 को राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन के नेतृत्व में अपनी नई केंद्रीय टीम बनायी है। देशभर में युवा आंदोलन के बीच, आगामी चुनाव को देखते हुए और भाजपा को फिर वहीं संगठनात्मक मजबूती देने के लिए ये कवायद और उर्जा कितनी कारगर साबित होगी ये देखने वाली बात होगी लेकिन नई टीम में अनुभव और युवा चेहरों का मिश्रण है, पुराने दिग्गजों की वापसी है और कई ऐसे नेताओं को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां दी गई हैं, जिनके जरिए भाजपा अलग-अलग राज्यों, सामाजिक समूहों और राजनीतिक क्षेत्रों में अपनी पकड़ मजबूत करना चाहती है।

यह बदलाव ऐसे समय हुआ है जब भाजपा के सामने केवल चुनाव जीतने की चुनौती नहीं है, बल्कि सत्ता में रहते हुए संगठन को लगातार सक्रिय बनाए रखने, नई पीढ़ी को नेतृत्व में आगे लाने और डिजिटल युग की बदलती राजनीतिक भाषा के साथ कदमताल करने की भी चुनौती है। इस चुनौती के चलते पूर्व राजस्थान मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया, पूर्व उत्तराखंड मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत, राम माधव, बैजयंत पांडा और मनप्रीत सिंह बादल जैसे नेताओं को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं स्मृति ईरानी की राष्ट्रीय महामंत्री के रूप में वापसी विशेष राजनीतिक महत्व रखती है। स्मृति ईरानी की वापसी को महज संगठनात्मक नियुक्ति मानना पर्याप्त नहीं होगा। वे लंबे समय से भाजपा की आक्रामक राजनीतिक शैली, महिला नेतृत्व और उत्तर प्रदेश की राजनीति में पार्टी के प्रमुख चेहरों में रही हैं।

इसी तरह राम माधव की वापसी भी महत्वपूर्ण संकेत देती है। संगठन, विचारधारा और पूर्वोत्तर की राजनीति में उनकी भूमिका लंबे समय तक महत्वपूर्ण रही है। उन्हें राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाना इस बात का संकेत हो सकता है कि भाजपा अपने केंद्रीय संगठन में ऐसे अनुभवी नेताओं को फिर से सक्रिय भूमिका देना चाहती है, जिनके पास संगठनात्मक प्रबंधन और राजनीतिक रणनीति का अनुभव है।

उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया जाना उत्तराखंड की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। तीरथ सिंह रावत लंबे समय से भाजपा संगठन से जुड़े रहे हैं और लोकसभा सांसद तथा मुख्यमंत्री सहित विभिन्न जिम्मेदारियां संभाल चुके हैं। उनकी नई जिम्मेदारी केवल उत्तराखंड तक सीमित नहीं मानी जानी चाहिए। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के रूप में उनके सामने देश के अलग-अलग राज्यों में संगठनात्मक काम, कार्यकर्ताओं से संवाद और पार्टी की राजनीतिक रणनीति को जमीन तक पहुंचाने जैसी जिम्मेदारियां हो सकती हैं।

नई टीम में केंद्रीय मंत्री पियूष गोयल को राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है। संगठन के वित्तीय प्रबंधन की जिम्मेदारी किसी ऐसे नेता को देना, जो सरकार और आर्थिक नीति से गहराई से जुड़ा रहा हो, भाजपा की संगठनात्मक प्राथमिकताओं का एक संकेत माना जा सकता है।

भाजपा ने बी.एल. संतोष को राष्ट्रीय संगठन महामंत्री के पद पर बनाए रखा है। यह निर्णय निरंतरता का संकेत है। जहां एक ओर नई टीम में व्यापक बदलाव किया गया, वहीं संगठन के केंद्रीय संचालन के एक महत्वपूर्ण स्तंभ को बनाए रखा गया है। राष्ट्रीय स्तर तक कार्यकर्ताओं के नेटवर्क को सक्रिय रखना, विभिन्न राज्यों की इकाइयों के बीच समन्वय करना और चुनावी रणनीति को जमीन पर लागू करना संगठन महामंत्री की भूमिका का महत्वपूर्ण हिस्सा होता है।

नई टीम में डिजिटल और सोशल मीडिया संगठन में भी बदलाव किया गया है। अमित मालवीय लंबे समय से भाजपा के डिजिटल और आईटी तंत्र के प्रमुख चेहरों में रहे हैं। नई घोषणा में दीपक म्हास्के को सोशल मीडिया संयोजक की जिम्मेदारी दी गई है, जबकि प्रीति गांधी, शिवानंद द्विवेदी, आलोक भट्ट और अरुण यादव को सह-संयोजक बनाया गया है। मीडिया रणनीति की जिम्मेदारी अनिल बलूनी को दी गई है।

राजनीति में पद मिलना उपलब्धि का अंत नहीं, बल्कि जिम्मेदारी की शुरुआत है। भाजपा आज देश की सबसे शक्तिशाली राजनीतिक पार्टियों में है। ऐसे संगठन के सामने जनता की अपेक्षाएं भी अधिक हैं। पहली परीक्षा संगठन की होगी। क्या नए पदाधिकारी कार्यकर्ताओं के साथ नियमित संवाद स्थापित कर पाएंगे? क्या केंद्रीय नेतृत्व और राज्य इकाइयों के बीच मतभेदों को समय रहते सुलझाया जा सकेगा?

दूसरी परीक्षा चुनाव की होगी। आने वाले विधानसभा चुनाव भाजपा के लिए संगठनात्मक प्रयोग की पहली बड़ी परीक्षा बनेंगे। टिकट वितरण, स्थानीय नेतृत्व, गठबंधन, सामाजिक समीकरण और बूथ प्रबंधन इन सभी मोर्चों पर नई टीम की क्षमता सामने आएगी।

प्रयागराज में चंद्रशेखर आजाद से अंग्रेजों की मुठभेड़ और शहादत का दस्तावेज सामने आया

प्रयागराज। प्रयागराज में 27 फरवरी 1931 के दिन अंग्रेजों से लोहा लेते हुए चंद्रशेखर आजाद शहीद हो गए थे। अंग्रेजी सेना से मुठभेड़ के बाद चंद्रशेखर आजाद ने अपनी पिस्टल की आखिरी गोली खुद को मारकर अपनी जान दे दी थी लेकिन उससे पहले उन्होंने अपने अचूक निशाने से कई अंग्रेज सैनिकों को घायल कर दिया था। इसके बाद अंग्रेजी हुकूमत ने चंद्रशेखर आजाद के साथ एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ 307 का मुकदमा दर्ज किया था। उसी मुकदमे का विवरण कर्नलगंज थाने के रजिस्टर नंबर 8 में आज दर्ज किया गया है। उस एफआईआर की कॉपी तो फिलहाल नहीं है लेकिन थाने के उस रजिस्टर के पन्ने को पुलिस ने संभाल के रखा हुआ था। कमिश्नरी सिस्टम लागू होने के बाद थानों में महत्वपूर्ण दस्तावेजों को संभाल कर रखने का निर्देश पुलिस आयुक्त रमित शर्मा ने दिया था. जिसके बाद कर्नलगंज इंस्पेक्टर बृजेश सिंह ने इस अति महत्वपूर्ण दस्तावेज को फ्रेम करवाकर थानेदार के कमरे में लगवा दिया है। जिससे अब दूसरे लोग भी देख सकते हैं।

27 फरवरी 1931 को हुई थी अंग्रेज और आजाद के बीच मुठभेड़

अल्फ्रेड पार्क में कर रहे थे साथी का इंतजार: प्रयागराज स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान स्वतंत्रता सेनानियों का केंद्र बिंदु भी रहा करती थी। आजादी की लड़ाई के वीर सेनानी अक्सर प्रयागराज में आकर स्वतंत्रता आंदोलन की रूपरेखा तैयार किया करते थे। इसी के साथ आजादी के दीवानों की आर्थिक मदद भी प्रयागराज से की जाती थी। उसी दौरान 27 फरवरी 1931 के दिन आजादी की लड़ाई के महानायक चंद्र शेखर आजाद प्रयागराज पहुंचे थे। यहां पर वो अल्फ्रेड पार्क में पेड़ो के बीच बैठकर अपने किसी साथी का इंतजार कर रहे थे।

उसी दौरान अंग्रेजों को किसी मुखबिर ने सूचना दे दी थी। इसके बाद उस पार्क को चारों तरफ से अंग्रेजी सेना के द्वारा

घेर लिया गया था। जिसके बाद काफी देर तक अंग्रेज सैनिक और आजाद के फायरिंग चलती रही। इस दौरान चंद्र शेखर आजाद ने अपनी बमतुल बुखारा पिस्टल से अचूक निशानेबाजी की बदौलत कई अंग्रेजों को अपनी गोली का निशाना बनाया था। उनकी गोली से लगातार अंग्रेज सैनिक घायल हो रहे थे। जिसके बाद अंग्रेजी सेना ने आजाद को घेरकर चारों तरफ से फायरिंग शुरू की लेकिन आजाद ने ठाना था कि वो अंग्रेजों की पकड़ में नहीं आएंगे। इस कारण जब उनकी पिस्टल में सिर्फ एक गोली बची तो उन्होंने उस आखिरी गोली से खुद को वीरगति में पहुंचाने का फैसला कर लिया और अपने सिर में गोली मारकर शहीद हो गए थे। अज्ञात साथी के खिलाफ भी मुठभेड़ का मुकदमा: चंद्रशेखर आजाद की शहादत के बाद अंग्रेजों ने आजाद और उनके एक अज्ञात साथी के खिलाफ कर्नलगंज थाने में मुठभेड़ की मुकदमा

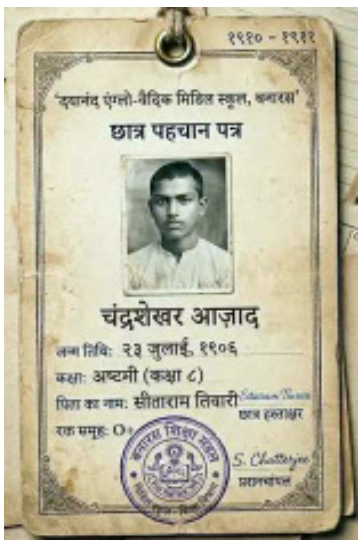

दर्ज किया था लेकिन अंग्रेजी सेना इस बात का खुलासा नहीं कर सकी कि उस वक्त आजाद के साथ उनका कौन सा साथी मौजूद था। बहरहाल उस समय दर्ज किए गए मुकदमें की कॉपी तो इस थाने में मौजूद नहीं है। लेकिन थाने में रखे हुए 8 नंबर रजिस्टर में उस दिन की घटना का जिक्र किया गया है। आजादी के पहले बने उस रजिस्टर में उर्दू और फारसी भाषा में मुठभेड़ की कहानी लिखी गई है। जिसको कुछ सालों पहले अनुवादकों की मदद से हिंदी में ट्रांसलेट करवाया गया था। कर्नलगंज थाने के रजिस्टर के उस पन्ने को दीमक से बचाने के लिए अब सुरक्षित कर दिया गया है। प्रयागराज में पुलिस कमिश्नरी सिस्टम लागू होने के बाद पुलिस आयुक्त रमित शर्मा ने महत्वपूर्ण दस्तावेजों को सहेज कर सुरक्षित रखने का निर्देश दिया था। इसी क्रम में थाने के अन्य दस्तेवजों के अलावा चंद्र शेखर आजाद की शहादत से जुड़े इस महत्वपूर्ण पन्ने को कर्नलगंज थाने के इंस्पेक्टर बृजेश सिंह ने लकड़ी के फ्रेम में मढ़वाकर सुरक्षित करते हुए थाना प्रभारी के कक्ष में लगवा दिया है। जिसको अब वहां आने जाने वाले दूसरे लोग भी देख सकते हैं। थानेदार के इस प्रयास की अब लोग सराहना भी कर रहे हैं।

समाजसेवी का हालचाल जानने अस्पताल पहुंचे पूर्व कैबिनेट मंत्री

कोटद्वार। 85 वर्षीय समाजसेवी पातीराम ध्यानी के अस्वस्थ होने की सूचना मिलते ही पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सुरेन्द्र सिंह नेगी देर शाम बेस चिकित्सालय, कोटद्वार पहुंचे। अस्पताल पहुंचकर नेगी ने पातीराम ध्यानी से आत्मीय मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य का हालचाल जाना तथा उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। इस दौरान सुरेन्द्र सिंह नेगी ने चिकित्सकों एवं सीएमएस से श्री ध्यानी के स्वास्थ्य, मेडिकल बुलेटिन तथा चल रहे उपचार के संबंध में विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने चिकित्सकों से श्री ध्यानी एवं अन्य मरीजों को बेहतर से बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने तथा उनके स्वास्थ्य की लगातार निगरानी रखने को कहा।

श्री सुरेन्द्र सिंह नेगी ने कहा कि पातीराम ध्यानी लंबे समय से समाज सेवा के क्षेत्र में सक्रिय रहे हैं और समाज के लिए उनका योगदान अत्यंत सराहनीय एवं महत्वपूर्ण रहा है। उनका स्नेह, अनुभव और मार्गदर्शन समय-समय पर हम सभी को मिलता रहता है। उन्होंने कहा कि ऐसे वरिष्ठ एवं समाजसेवी व्यक्तित्व का स्वस्थ रहना समाज के लिए भी महत्वपूर्ण है।

नेगी जी ने विश्वास व्यक्त किया कि पातीराम ध्यानी शीघ्र ही स्वस्थ होकर अपने घर लौटेंगे और पुनः समाज के बीच अपनी सक्रिय भूमिका निभाएंगे।

बेस चिकित्सालय में अपनी मौजूदगी के दौरान सुरेन्द्र सिंह नेगी ने अस्पताल के अन्य वार्डों में भर्ती मरीजों एवं उनके परिजनों से भी मुलाकात कर उनकी कुशलक्षेम पूछी। उन्होंने मरीजों से उपचार के संबंध में जानकारी ली तथा चिकित्सकों से भी उनकी स्वास्थ्य स्थिति और चल रहे उपचार के बारे में बातचीत की। नेगी जी ने चिकित्सकों एवं अस्पताल प्रबंधन

से कहा कि अस्पताल में भर्ती प्रत्येक मरीज को बेहतर एवं मानवीय संवेदना के साथ चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने मरीजों के उपचार में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने तथा आवश्यकता के अनुसार सभी जरूरी चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने पर जोर दिया।

इस अवसर पर सुरेन्द्र सिंह नेगी ने पातीराम ध्यानी सहित बेस चिकित्सालय में उपचार करा रहे सभी मरीजों के शीघ्र स्वस्थ होने एवं पूर्ण स्वास्थ्य लाभ की कामना की।

सरकारी भूमि पर अवैध अतिक्रमण की शिकायत पर डीएम ने दिए जांच के निर्देश

संवाददाता

देहरादून। प्रत्येक सोमवार की भाँति आज कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान की अध्यक्षता में जन समाधान दिवस आयोजित किया गया। जन समाधान दिवस में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों ने अपनी समस्याएं एवं शिकायतें जिलाधिकारी के समक्ष प्रस्तुत कीं। इस दौरान 150 से अधिक शिकायतें प्राप्त हुईं जिनमें कई शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया गया। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि जन समस्याओं का निस्तारण प्राथमिकता एवं संवेदनशीलता के साथ करना सुनिश्चित करें तथा शिकायतकर्ता को भी कार्रवाई से अवगत कराया जाए।

शिकायतकर्ता प्रस्तुत शिकायत में तहसील विकासनगर अंतर्गत ग्राम पंचायत पापड़ियांन में ग्राम प्रधान द्वारा वर्ष 2023 से 2026 तक आपदा के अंतर्गत किए गए कार्यों में कथित फर्जीवाड़े एवं अनियमितता की शिकायत पर जिलाधिकारी ने गंभीरता से संज्ञान लेते हुए जिला विकास अधिकारी एवं जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी को संयुक्त रूप से प्रकरण की जांच करते हुए 7 दिन के भीतर जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि उपलब्ध अभिलेखों, कराए गए कार्यों एवं संबंधित मद में हुए व्यय का परीक्षण करते हुए तथ्यों के आधार पर कार्रवाई की जाए।

शिकायतकर्ता मोहम्मद शाहिद राव, खुर्शीदा बेगम एवं इकराम, मिहूवाला निवासी द्वारा अपनी पैतृक भूमि पर भूमाफियाओं द्वारा मारपीट कर कब्जा करने का प्रयास किए जाने की शिकायत प्रस्तुत की गई। जिलाधिकारी ने मामले का संज्ञान लेते हुए पुलिस विभाग को कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रकरण में कानून-व्यवस्था बनाए रखने तथा शिकायतकर्ता की शिकायत पर तथ्यात्मक जांच कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा।

ग्राम झीवरहेड़ी, विकासनगर क्षेत्र में आबादी के बीच अवैध रूप से हैवी वेल्डिंग मशीनें लगाकर फैक्ट्री संचालित किए जाने की शिकायत पर जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारी विकासनगर एवं महाप्रबंधक, जिला उद्योग केंद्र (जीएमडीआईसी) को संबंधित फैक्ट्री को तत्काल सील करने के निर्देश दिए। प्रकरण में जिला उद्योग केंद्र द्वारा पूर्व में किए गए निरीक्षण में पाया गया था कि संबंधित स्थल औद्योगिक उपयोग के लिए वर्गीकृत नहीं है। साथ ही, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड एवं अग्निशमन विभाग की आवश्यक एनओसी भी प्राप्त नहीं की गई थी। जिलाधिकारी ने इस स्थिति के बावजूद फैक्ट्री संचालन तथा सुरक्षा मानकों के उल्लंघन की शिकायत पर अपेक्षित कार्रवाई न किए जाने को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को नियमानुसार तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

शिकायतकर्ता सूर्य प्रकाश द्वारा दोनों पैरों में कृत्रिम अंग लगवाने हेतु आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के संबंध में प्रस्तुत शिकायत पर जिलाधिकारी ने तत्काल संज्ञान लिया। उन्होंने जिला समाज कल्याण अधिकारी को प्रकरण में आवश्यक कार्रवाई करते हुए 15 दिन के भीतर शिकायतकर्ता को नियमानुसार सहायता उपलब्ध कराने की कार्रवाई सुनिश्चित करने तथा की गई कार्रवाई से अवगत कराने के निर्देश दिए।

नगर निगम एवं ग्राम समाज की सरकारी भूमि पर अवैध अतिक्रमण एवं अवैध निर्माण किए जाने की शिकायत पर जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारी सदर एवं तहसीलदार सदर को प्रकरण की जांच के निर्देश दिए। शिकायत में चार मंजिला मकान के निर्माण का भी आरोप लगाया गया है। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि मौके का स्थलीय निरीक्षण करते हुए भूमि एवं निर्माण से संबंधित अभिलेखों की जांच की जाए तथा यदि अतिक्रमण अथवा अवैध निर्माण पाया जाता है तो नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करते हुए रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए।

विशेष बच्चे प्रिंस अग्रवाल के लतिका राय फांउडेशन में प्रवेश के संबंध में प्राप्त शिकायत का जिलाधिकारी ने संज्ञान लिया। शिकायतकर्ता बच्चे के पिता एवं एकमात्र अभिभावक द्वारा बताया गया कि फाउंडेशन में प्री-एडमिशन प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूर्ण किए जाने के बावजूद प्रवेश प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ाई गई तथा बार-बार अनुरोध के बाद भी उचित समाधान नहीं हो पाया। शिकायतकर्ता ने जिलाधिकारी से मामले में हस्तक्षेप करते हुए बच्चे के हित में आवश्यक कार्रवाई किए जाने का अनुरोध किया। जिलाधिकारी ने प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए जिला समाज कल्याण अधिकारी एवं जिला प्रोबेशन अधिकारी को संयुक्त रूप से मामले की जांच कर 7 दिन के भीतर जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। डीएम ने प्रकरण के सभी तथ्यों की निष्पक्षता से जांच की जाए तथा बच्चे के हित एवं उसके सर्वांगीण विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जन समाधान दिवस में प्राप्त शिकायतों को केवल औपचारिक रूप से निस्तारित न किया जाए, बल्कि शिकायत की वास्तविक समस्या का समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने समयबद्ध निस्तारण, पारदर्शिता एवं जवाबदेही पर विशेष जोर दिया।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अभिनव शाह, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व के.के. मिश्रा, अपर जिलाधिकारी प्रशासन स्मृता परमार, मुख्य शिक्षा अधिकारी श्री जायसवाल, अपर पुलिस अधीक्षक, जिला विकास अधिकारी सुनील कुमार, जिला कार्यक्रम अधिकारी बाल विकास जितेन्द्र कुमार सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

लंबित शिकायतों के शीघ्र निस्तारण के लिए जिलाधिकारी ने दिए निर्देश

संवाददाता

रुद्रप्रयाग। आम जनमानस की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए जिलाधिकारी श्री विशाल मिश्रा की अध्यक्षता में सोमवार को जिला कार्यालय सभागार में जन संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। जन सुनवाई के दौरान विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 18 शिकायतें एवं समस्याएं दर्ज की गईं। इनमें से 7 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया गया, जबकि शेष शिकायतों को संबंधित विभागों को प्रेषित करते हुए प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए गए। इस दौरान शिवानंदी (चिवंई) के ग्रामीणों ने ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेलवे लाइन निर्माण से पेयजल एवं सिंचाई के स्रोत प्रभावित होने की समस्या जिलाधिकारी के समक्ष रखी। ग्रामीणों ने बताया कि निर्माण कार्य के दौरान किए गए विस्फोटों के कारण उनके मकानों में बड़ी-बड़ी दरारें भी उत्पन्न हो गई हैं।

बेलनी के व्यापारियों ने प्रस्तावित बेलनी पुल निर्माण को लेकर व्यापारियों का कहना था कि पुल निर्माण से करीब 40 से 50 व्यापारी प्रभावित हो सकते हैं और उनकी आजीविका पर सीधा असर पड़ने की संभावना है। उन्होंने निर्माण कार्य से पूर्व व्यापारियों की समस्याओं का समाधान किए जाने की मांग की।

फलई निवासी पंचम लाल ने बताया कि 14 अगस्त को हुई अत्यधिक बारिश के कारण उनके आवासीय भवन को खतरा उत्पन्न हो गया है। उन्होंने सुरक्षा की दृष्टि से आवश्यक कार्रवाई किए जाने की मांग की। वहीं गडमिल निवासी दशरथ बुटोला ने बताया कि उनकी बागवानी में 30 से अधिक प्रजातियों के कंदमूल एवं फलदार पेड़ हैं तथा उनके द्वारा एक जंगल भी तैयार किया गया है। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों को देखते हुए पर्यावरण मित्र की सूची में उनका नाम शामिल किए जाने का अनुरोध किया।

सेम निवासी लक्ष्मी प्रसाद डिमरी ने स्वर्गीय दीपक डिमरी राजकीय इंटर कॉलेज में निर्माणाधीन भवन की उच्च स्तरीय जांच कराने की मांग की।मामले में जिलाधिकारी के निर्देश पर मुख्य विकास अधिकारी द्वारा जिला विकास अधिकारी की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय समिति का गठन कर मामले की जांच के आदेश दिए गए हैं। कलना निवासी दशरथ लाल ने बताया कि वह बीपीएल परिवार से हैं तथा शारीरिक रूप से दिव्यांग हैं। उन्होंने अपनी आर्थिक स्थिति को देखते हुए रोजगार उपलब्ध कराने की मांग जिलाधिकारी के समक्ष रखी। जन संवाद के दौरान जिलाधिकारी ने मुख्यमंत्री शिकायत पोर्टल पर दर्ज शिकायतों की भी समीक्षा की। समीक्षा के दौरान एल-1 स्तर पर 139 तथा एल-2 स्तर पर 29 शिकायतें लंबित पाई गईं। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को लंबित शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित करने तथा शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि जनसामान्य की समस्याओं का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण समाधान जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जन सुनवाई में प्राप्त शिकायतों का गंभीरता से संज्ञान लेते हुए उनका नियमानुसार निस्तारण सुनिश्चित करें, ताकि आमजन को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।

एक साल, बेमिसाल कार्यक्रम का आयोजन

मसूरी। मसूरी विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत चंद्रोटी ग्राम सभा में आज त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के सफलतम एक वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में श्एक साल, बेमिसालश कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम कांग्रेस प्रदेश कोषाध्यक्ष श्रीमती गोदावरी थापली के आह्वान पर, चंद्रोटी की ग्राम प्रधान श्रीमती सारिका ठाकुर द्वारा आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत उपाध्यक्ष अभिषेक चौहान, अति विशिष्ट अतिथि ब्लॉक प्रमुख श्रीमती अर्चना रावत एवं विशिष्ट अतिथि पूर्व विधायक जोत सिंह गुनसोला जिला अध्यक्ष पछवा दून संजय किशोर और महानगर अध्यक्ष जसविंदर सिंह श्गोगीश ने शिरकत की। मुख्य अतिथि अभिषेक चौहान ने कहा कि ष्हमारा मुख्य संकल्प कांग्रेस परिवार को एक सूत्र में पिरोना, हर स्तर पर संगठन को और अधिक सशक्त बनाना तथा जनता के अधिकारों के लिए पूरी मजबूती से आवाज उठाना है।ष

उपेन्द्र थपली ने कहा कि ष्जन-जन की समस्याओं के समाधान के लिए सड़क से लेकर सदन तक पूरी निष्ठा और ऊर्जा के साथ संघर्ष करें।ष कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य गोविंद पुंडीर, डॉ. प्रतिमा सिंह, महेन्द्र नेगी श्गुरुजीश, राजेन्द्र शाह, हुकुम चौहान, जगदीश चौहान, प्रदीप डोभाल, राकेश शर्मा, मेघ सिंह कंडारी, महेश चंद, विशाल खरोला, दर्शन रावत, अखिल प्रधान, सागर लामा, रवि शर्मा, रितेश जोशी, अनूप सक्सेना, श्रीमती गीता पैनोली, हरि काला पुंडीर, श्रीमती आंचल पुंडीर, श्रीमती सोनिया आनंद और श्रीमती तनुजा घले की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का संचालन एडवोकेट प्रशांत खंडूरी ने किया। इसके अतिरिक्त, क्षेत्र के पूर्व एवं वर्तमान प्रधान, बीडीसी, पंचायत सदस्य एवं सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मदरसा रहमानिया में हर्षोल्लास से मनाया गया आजादी का जश्न

रूड़की । स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मदरसा रहमानिया रुड़की में यौमे आजादी का जश्न हर्षोल्लास और देशभक्ति के माहौल में मनाया गया। कार्यक्रम के दौरान मदरसा परिसर में पूरे सम्मान और गरिमा के साथ तिरंगा फहराया गया। राष्ट्रगान के बाद देश की आजादी के लिए अपने प्राणों का बलिदान देने वाले स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धापूर्वक याद कर उन्हें खिराज-ए-अकीदत पेश किया गया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उत्तराखंड शिक्षा प्राधिकरण के अध्यक्ष डॉ. सुरजीत सिंह तथा उत्तराखंड सरकार के कैबिनेट मंत्री प्रदीप बत्रा पहुंचे। दोनों अतिथियों ने तिरंगा फहराकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया और उपस्थित लोगों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं। डॉ. सुरजीत सिंह ने कहा कि देश की आजादी प्रत्येक भारतीय के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि सभी नागरिकों का दायित्व है कि देश की एकता, अखंडता और भाईचारे को मजबूत करने में अपना योगदान दें।

मुख्य सचिव ने सड़क सुरक्षा व्यवस्था को और प्रभावी बनाने के दिए निर्देश

संवाददाता

देहरादून। मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन की अध्यक्षता में बुधवार को सड़क सुरक्षा से सम्बन्धित अनुश्रवण समिति की बैठक

आयोजित हुई। बैठक में प्रदेश में सड़क दुर्घटनाओं की स्थिति, सड़क सुरक्षा उपायों, ब्लैक स्पॉट के सुधार सहित जनपद स्तरीय सड़क सुरक्षा समितियों की समीक्षा की गई। बैठक में मुख्य सचिव ने सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ प्रभावी एवं समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक के दौरान, मुख्य सचिव ने प्रदेश में सड़क दुर्घटनाओं की स्थिति की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि दुर्घटनाओं के कारणों का वैज्ञानिक ढंग से विश्लेषण किया जाए। उन्होंने सड़क की डिजाइन, रोड ज्योमेट्रिक्स तथा अन्य तकनीकी कमियों पर विशेष ध्यान दिए जाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन स्थानों पर सड़क की स्थिति अथवा डिजाइन के कारण दुर्घटनाओं की संभावना बढ़ रही है, वहां सम्बन्धित अधिकारियों से समन्वय कर आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

मुख्य सचिव ने रोड सेफ्टी ऑडिट को प्राथमिकता दिए जाने की बात कही। कहा कि बस अड्डों का भी टीम गठित कर नियमित ऑडिट कराया जाए। बात ही, ऑडिट में प्राप्त सुझावों को गंभीरता से लेते हुए आवश्यक सुधारात्मक उपायों को लागू किया जाए।

मुख्य सचिव ने कहा कि मा. उच्चतम न्यायालय के निर्देशों का पूर्णतः अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। साथ ही, उन्होंने दो पहिया वाहन चालकों एवं सवारियों के लिए हेलमेट के अनिवार्य उपयोग को प्रभावी रूप से सुनिश्चित करने तथा यातायात नियमों का पालन न करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने परिवहन एवं पुलिस विभाग को नियमित रूप से प्रवर्तन सम्बन्धी कार्रवाई की समीक्षा करने के निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने पर्वतीय मार्गों पर सुरक्षा की दृष्टि से बांस के वृक्षों तथा क्रैश बैरियर/पैराफिट आदि के सम्बन्ध में पूर्व में वन एवं लोक निर्माण विभाग को दिए गए निर्देशों पर हुई कार्रवाई की जानकारी भी ली, साथ ही अन्य राज्यों में अपनाई जा रही बेहतर सड़क सुरक्षा व्यवस्थाओं का अध्ययन कर उन्हें उत्तराखंड में लागू करने की संभावनाओं पर भी विचार करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने ब्लैक स्पॉट तथा दुर्घटना संभावित स्थलों का रोड सेफ्टी एवं थर्ड पार्टी ऑडिट कराने तथा ऑडिट के सुझावों के आधार पर सुधारात्मक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने जनपद स्तरीय सड़क सुरक्षा समितियों की बैठकें निर्धारित समय पर नियमित रूप से आयोजित की जाने के निर्देश दिए। कहा कि प्रत्येक बैठक का कार्यवृत्त सम्बन्धित पोर्टल पर अनिवार्य रूप से अपलोड किया जाए। उन्होंने सचिव परिवहन को सड़क सुरक्षा से संबंधित नियमित एवं रूटीन कार्यों की लगातार निगरानी करने तथा आवश्यकतानुसार सम्बन्धित विभागों से समन्वय करते हुए कार्रवाई सुनिश्चित कराये जाने के निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने सड़क सुरक्षा के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के लिए सेंसिटाइजेशन कैंप आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि दुर्घटना के बाद रेस्क्यू आदि कार्यों के सेंसिटाइजेशन के लिए पुलिस, स्वास्थ्य एवं परिवहन विभाग की संयुक्त वर्कशॉप आयोजित की जाए। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान को केवल औपचारिकता तक सीमित न रखते हुए प्रत्येक दो-तीन माह में अभियान मोड में व्यापक स्तर पर संचालित किया जाए। इसके लिए प्रचार-प्रसार का वार्षिक प्लान तैयार किया जाए।

मुख्य सचिव ने राहवीर योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए। उन्हें परिवहन विभाग को निर्देश दिए कि हिट एंड रन के लंबित मामलों की सूची सम्बन्धित जिलाधिकारियों को उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने कहा कि जिलाधिकारी अपने जनपद में लंबित मामलों की स्वयं भी समीक्षा कर शीघ्र से शीघ्र निस्तारित करें।

मुख्य सचिव ने सड़क सुरक्षा जागरूकता फिल्मों का स्थानीय सिनेमाघरों में प्रदर्शन कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जागरूकता गतिविधियों के लिए विभागों द्वारा वर्षभर का समेकित प्रचार-प्रसार कैलेंडर तैयार किया जाए, ताकि अलग-अलग समय पर लक्षित समूहों के बीच सड़क सुरक्षा संबंधी संदेश प्रभावी ढंग से पहुंचाया जा सके। मुख्य सचिव ने ब्लैक स्पॉट के सुधार कार्यों में तेजी लाते हुए निर्धारित समय सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने शेष ब्लैक स्पॉट पर भी ठोस एवं समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा।

मुख्य सचिव ने शिक्षा विभाग एवं परिवहन विभाग के समन्वय से विद्यालयों में सड़क सुरक्षा क्लबों की स्थापना एवं उन्हें सक्रिय रूप से संचालित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि सड़क सुरक्षा से जुड़े कार्यों में विभागीय समन्वय, नियमित अनुश्रवण और एक्शन टेकन रिपोर्ट की नियमित रिपोर्टिंग सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए केवल प्रवर्तन ही नहीं, बल्कि सड़क की इंजीनियरिंग, वाहन एवं चालक व्यवहार, जन-जागरूकता और त्वरित उपचारकृसभी पहलुओं पर एक साथ काम किया जाना आवश्यक है।

इस अवसर पर सचिव श्री रविनाथ रमन एवं डॉ. रणवीर सिंह चौहान सहित अन्य सम्बन्धित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी एवं जनपदों से जिलाधिकारी उपस्थित थे।

वन अधिकारी प्राकृतिक संपदा के प्रहरी : राज्यपाल

संवाददाता

देहरादून। उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने आज देहरादून स्थित इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी (आईजीएनएफए) में भारतीय वन सेवा (आईएफएस) के

परिवीक्षार्थियों को संबोधित किया। इस अवसर पर राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) एवं मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में अपने संबोधन के दौरान राज्यपाल ने उपराष्ट्रपति का उत्तराखण्ड में हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन करते हुए उनके गरिमामय सान्निध्य और मार्गदर्शन को सभी के लिए प्रेरणादायी बताया। राज्यपाल ने भारतीय वन सेवा के युवा अधिकारियों से वन एवं प्राकृतिक संपदा के संरक्षण को राष्ट्र सेवा का महत्वपूर्ण दायित्व मानते हुए कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सीमा पर सैनिक देश की भौगोलिक सीमाओं की रक्षा करता है, जबकि वन अधिकारी देश की प्राकृतिक संपदा के प्रहरी होते हैं। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन, जल संकट, जैव विविधता का क्षरण और प्राकृतिक आपदाएँ आज गंभीर चुनौतियाँ हैं। ऐसे समय में भारतीय वन सेवा की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो गई है। वन केवल पेड़ों का समूह नहीं, बल्कि जल के स्रोत, जीवन का आधार और जैव विविधता के प्रहरी हैं। राज्यपाल ने वन संरक्षण में स्थानीय समुदायों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि जिन लोगों का जंगलों से पीढ़ियों पुराना संबंध है, उनके अनुभव और पारंपरिक ज्ञान को समझना आवश्यक है। गैर-इमारती वन उत्पाद, औषधीय पौधे, स्थानीय उत्पाद, इको-टूरिज्म और वन आधारित छोटे उद्योग ग्रामीण आजीविका को मजबूत करने में सहायक हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि जब स्थानीय समुदायों को वनों से सम्मानजनक आजीविका और विकास के अवसर मिलेंगे, तो वे स्वयं वनों के सबसे मजबूत प्रहरी बनेंगे। राज्यपाल ने वन प्रशासन में आधुनिक तकनीक के अधिकतम उपयोग पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ड्रोन, उपग्रह तकनीक, रिमोट सेंसिंग और डेटा आधारित निर्णय वन प्रबंधन को नई दिशा दे सकते हैं। उन्होंने अधिकारियों से नई तकनीकों को अपनाने, नवाचार करने और पारंपरिक चुनौतियों के लिए नए समाधान तलाशने का आह्वान किया। राज्यपाल ने युवा अधिकारियों से कहा कि उनका कार्यक्षेत्र और परिस्थितियाँ भले ही बदलती रहें, लेकिन राष्ट्र के प्रति उनकी प्रतिबद्धता सदैव अडिग रहनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अधिकारियों की दृष्टि व्यापक, सोच वैज्ञानिक, निर्णय निष्पक्ष और हृदय संवेदनशील होना चाहिए।

104 हेल्थ हेल्पलाइन: एक दशक में कॉल सेंटर से 'प्रोएक्टिव हेल्थ सिस्टम' तक पहुंचा उत्तराखंड

देहरादून। मेडिकल, पुलिस और अग्निशमन सेवाओं के लिए 108 नंबर से लगभग हर कोई परिचित है, लेकिन उत्तराखंड में 104 हेल्थ हेल्पलाइन पिछले एक दशक में स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी, शिकायत निवारण और लाभार्थियों की सक्रिय निगरानी का अहम माध्यम बन गई है। खास बात यह है कि यह व्यवस्था केवल नागरिकों की कॉल का जवाब नहीं देती, बल्कि जरूरतमंद मरीजों तक खुद पहुंचकर उनके स्वास्थ्य और उपचार की स्थिति का फॉलोअप भी करती है।

स्वास्थ्य निदेशालय, देहरादून में संचालित 104 कॉल सेंटर अब तक एक करोड़ 38 लाख से अधिक स्वास्थ्य संबंधी कॉल कर चुका है। यह व्यवस्था राज्य के सभी 13 जिलों में 27 स्वास्थ्य सेवाओं और कार्यक्रमों से जुड़े लाभार्थियों तक पहुंच बना रही है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुलभ, जवाबदेह और नागरिक केंद्रित बनाने पर जोर दे रही है। इसी सोच के तहत 104 हेल्पलाइन को केवल सूचना देने वाले कॉल सेंटर के बजाय प्रोएक्टिव हेल्थ मॉनिटरिंग सिस्टम के रूप में विकसित किया गया है।

इस व्यवस्था की सबसे बड़ी खासियत इसका प्रोएक्टिव ट्रैकिंग सिस्टम है। राज्य के किसी भी जिले में स्वास्थ्य केंद्र या अस्पताल में मरीज के पंजीकरण के बाद संबंधित जानकारियाँ 104 कॉल सेंटर पहुँचाई जाती है। इसके बाद स्वास्थ्य संबंधी चुनौती से जूझ रहे लाभार्थी से नियमित रूप से संपर्क कर उसकी स्थिति की जानकारी ली जाती है।

खासतौर पर गर्भवती महिलाओं के मामले में यह व्यवस्था और महत्वपूर्ण हो जाती है। गर्भावस्था के तीसरे महीने से लेकर प्रसव तक टीकाकरण और जरूरी स्वास्थ्य सेवाओं का फॉलोअप किया जाता है। बच्चे के जन्म के बाद करीब डेढ़ वर्ष तक उसके स्वास्थ्य और टीकाकरण की स्थिति पर भी नजर रखी जाती है, ताकि जरूरी टीके और स्वास्थ्य सेवाएं समय पर मिल सकें।

27 स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी निगरानी

104 कॉल सेंटर आयुष्मान भारत योजना, आशा कार्यकर्ता, बाल स्वास्थ्य, चारधाम यात्रा, काउंसलिंग, डेंगू, प्रारंभिक बाल्यावस्था विकास, ई-संजीवनी, हीमोफीलिया, हेपेटाइटिस, उच्च जोखिम वाली गर्भावस्था, एचआईवी, एचपीवी, उच्च रक्तचाप एवं मधुमेह, मातृ स्वास्थ्य, मानसिक स्वास्थ्य, टीबी और थैलेसीमिया समेत विभिन्न कार्यक्रमों से जुड़े लाभार्थियों से संपर्क करता है।

कार्तिक आर्यन को शूटिंग के दौरान गंभीर चोट, घुटने की सर्जरी की तैयारी, फिल्म की शूटिंग भी रुकी

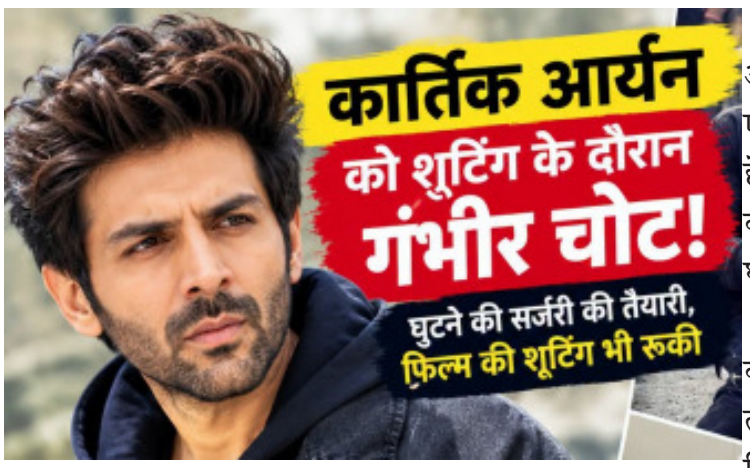

बॉलीवुड अभिनेता कार्तिक आर्यन के प्रशंसकों के लिए आज एक चिंताजनक खबर सामने आई है। अभिनेता अपनी अगली फिल्म की शूटिंग के दौरान गंभीर रूप से घायल हो गए।

रिपोर्टों के मुताबिक, कबीर खान के निर्देशन में बन रही उनकी अभी तक अनटाइटल्ड स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म के एक इंटेंस एक्शन सीक्वेंस की शूटिंग के दौरान उनके घुटने में गंभीर चोट लगी। यह हादसा फिल्म की शूटिंग के आखिरी चरण में हुआ। टीम को सिर्फ दो दिन की शूटिंग पूरी करनी थी और इन दिनों में कुछ महत्वपूर्ण एक्शन सीक्वेंस फिल्माए जाने थे। इसी दौरान कार्तिक एक एक्शन सीन कर रहे थे, जिसमें उन्हें चोट लग गई। रिपोर्टों के अनुसार, उन्हें तुरंत मुंबई के फोर्टिस राहेजा अस्पताल, माहिम ले जाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। चोट की गंभीरता को देखते हुए डॉक्टरों ने कार्तिक के घुटने की सर्जरी की सलाह दी है। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के अनुसार, उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है और सर्जरी के बाद कुछ दिनों तक आराम करना होगा। कुछ रिपोर्टों में सर्जरी 20 अगस्त को होने की बात कही गई है। हालांकि, एक-दो रिपोर्टों में बाद में सर्जरी हो जाने का भी उल्लेख है, इसलिए फिलहाल सबसे सुरक्षित जानकारी यही है कि चोट के बाद उनका अस्पताल में इलाज और सर्जिकल प्रक्रिया की तैयारी की गई है। फिल्म की शूटिंग लगभग पूरी हो चुकी थी, इसलिए इस घटना का असर प्रोडक्शन पर भी पड़ा है। आखिरी बचे एक्शन दृश्यों की शूटिंग फिलहाल रोकनी पड़ी है। कार्तिक को डॉक्टरों की सलाह के मुताबिक कुछ दिनों का आराम लेना होगा और उसके बाद ही वह अपने बाकी काम पर लौट पाएंगे।

कार्तिक और कबीर खान की यह दूसरी फिल्म है। दोनों इससे पहले 2024 की चर्चित स्पोर्ट्स ड्रामा में साथ काम कर चुके हैं। उस फिल्म में कार्तिक ने पैरालंपिक गोल्ड मेडलिस्ट मुरलीकांत पेटकर का किरदार निभाया था। इस भूमिका के लिए उन्होंने जबरदस्त शारीरिक बदलाव किया था और कड़ी ट्रेनिंग ली थी। 2026 में उन्हें इस प्रदर्शन के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार भी मिला। नई फिल्म भी खेल की दुनिया से जुड़ी एक प्रेरणादायक कहानी है। रिपोर्टों के मुताबिक कार्तिक इसमें किकबॉक्सिंग कोच की भूमिका निभा रहे हैं, जो कश्मीर की एक युवा लड़की को उसके सपने पूरे करने में मदद करता है। कहानी को कश्मीरी किकबॉक्सर तजामुल इस्लाम की जिंदगी से प्रेरित बताया गया है। भूमिका के लिए कार्तिक ने किकबॉक्सिंग की ट्रेनिंग भी ली है। इस फिल्म से कार्तिक की एक और बड़ी शुरुआत यह प्रोजेक्ट कार्तिक के लिए इसलिए भी खास है क्योंकि वह इसमें सिर्फ अभिनेता नहीं हैं, बल्कि निर्माता के तौर पर भी अपनी शुरुआत कर रहे हैं। उन्होंने अपना प्रोडक्शन बैनर शुरू किया है और इस फिल्म को उसके जरिए सपोर्ट कर रहे हैं। यानी कैमरे के सामने अभिनय करने के साथ-साथ पहली बार वह फिल्म के निर्माण में भी सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। कार्तिक की चोट ऐसे समय आई है जब उनका करियर एक अहम दौर से गुजर रहा है। राष्ट्रीय पुरस्कार मिलने के बाद उनकी अगली फिल्मों को लेकर दर्शकों में खास उत्सुकता है। चोट के कारण उनके आने वाले शेड्यूल में कुछ बदलाव होना स्वाभाविक है। स्वास्थ्य लाभ के बाद कार्तिक को अनुराग बसु की अगली रोमांटिक फिल्म के काम में लौटना है, जिसमें उनके साथ श्रीलीला नजर आएंगी। रिपोर्टों के मुताबिक इस फिल्म में कार्तिक अपने हिस्से की काफी शूटिंग पूरी कर चुके हैं।

फिलहाल कार्तिक के लिए सबसे जरूरी चीज उनकी रिकवरी है। फिल्म की शूटिंग लगभग पूरी होने के बावजूद आखिरी एक्शन सीक्वेंस के दौरान हुआ यह हादसा निश्चित तौर पर उनके और पूरी टीम के लिए बड़ा झटका है। अब सबकी नजर इस बात पर रहेगी कि सर्जरी और आराम के बाद कार्तिक कितनी जल्दी पूरी तरह फिट होकर कैमरे के सामने लौटते हैं।

सलमान खान बनाम प्रभासः 2027 की ईद पर होने जा रहा है बड़ा बॉक्स ऑफिस मुकाबला

2027 की ईद पर बॉलीवुड और साउथ के दो बड़े सुपरस्टार आमने-सामने नजर आ सकते हैं। सलमान खान की वामशी पेडिपल्ली निर्देशित अगली फिल्म और प्रभास की संदीप रेड्डी वांगा की बहुप्रतीक्षित फिल्म Spirit की रिलीज को लेकर चल रही अटकलों पर अब काफी हद तक स्थिति साफ हो गई है। दरअसल, सलमान खान की अगली फिल्म को ईद 2027 के लिए घोषित किया गया है। फिल्म में सलमान के साथ नयनतारा नजर आएंगी और इसका निर्देशन तेलुगु फिल्ममेकर वामशी पेडिपल्ली कर रहे हैं। फिल्म का निर्माण दिल राजू की श्री वेंकटेश्वर क्रिएशंस के बैनर तले हो रहा है। इसी बीच प्रभास की Spirit भी लंबे समय से 5 मार्च 2027 की रिलीज डेट पर निर्धारित है। यह तारीख ईद के आसपास पड़ती है, इसलिए दोनों फिल्मों के एक ही समय सिनेमाघरों में आने की संभावना ने ट्रेड और दर्शकों के बीच हलचल पैदा कर दी है। Spirit का निर्देशन Arjun Reddy और Animal फेम संदीप रेड्डी वांगा कर रहे हैं। फिल्म में प्रभास के साथ तृप्ति डिमरी भी प्रमुख भूमिका में हैं। क्या Spirit की रिलीज बदलेगी? पिछले दिनों ऐसी खबरें सामने आई थीं कि सलमान की फिल्म से टकराव से बचने के लिए Spirit को जून 2027 तक आगे बढ़ाया जा सकता है। इससे यह संभावना बनने लगी थी कि सलमान को ईद पर अकेले रिलीज का फायदा मिल सकता है। लेकिन 19 अगस्त 2026 को Spirit के निर्माताओं ने इन अटकलों पर विराम लगा दिया। T-Series की ओर से साफ किया गया है कि फिल्म 5 मार्च 2027 को ही रिलीज होगी और इसकी रिलीज डेट में फिलहाल कोई बदलाव नहीं किया गया है। टीम फिल्म को तय कार्यक्रम के अनुसार पूरा करने में जुटी है। इसका मतलब है कि फिलहाल सलमान खान और प्रभास की टक्कर टलती नहीं दिख रही है। मुकाबला इतना बड़ा क्यों है? सलमान खान का ईद से बेहद पुराना और मजबूत कनेक्शन रहा है। उनकी फिल्मों ने कई बार ईद के त्योहार को बड़े बॉक्स ऑफिस इवेंट में बदला है। दूसरी तरफ प्रभास अब सिर्फ दक्षिण भारतीय स्टार नहीं रहे, बल्कि Baahubali, Salaar और Kalki 2898 AD जैसी फिल्मों के जरिए पूरे भारत में उनका विशाल दर्शक वर्ग बन चुका है। ऊपर से Spirit के निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा की पिछली फिल्म Animal की जबरदस्त सफलता ने इस फिल्म को लेकर उत्सुकता और बढ़ा दी है। ऐसे में अगर दोनों फिल्में वास्तव में एक ही रिलीज विंडो में आती हैं, तो 2027 की ईद का बॉक्स ऑफिस मुकाबला बेहद दिलचस्प हो सकता है। हालांकि, अभी इसे 'पक्की टक्कर' कहना थोड़ा जल्दबाजी होगी, क्योंकि रिलीज में कई महीने बाकी हैं और फिल्म इंडस्ट्री में तारीखों में बदलाव आम बात है। लेकिन आज की आधिकारिक स्थिति यही है कि Spirit 5 मार्च 2027 को रिलीज होगी और सलमान खान की फिल्म भी ईद 2027 के लिए तय है। यानी, सलमान की ईद वाली बादशाहत बनाम प्रभास का पैन-इंडिया स्टारडम-2027 की ईद पर मुकाबला हुआ तो यह साल के सबसे बड़े बॉक्स ऑफिस क्लैश में से एक होगा।

स्वास्थ्य सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम : मुख्यमंत्री

संवाददाता

देहरादून। जिला चिकित्सालय चंपावत में लगभग 50 लाख रुपये की लागत से स्थापित ब्लड कंपोनेंट सेपरेशन यूनिट का गुरूवार को लोकार्पण किया गया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कार्यक्रम को वर्चुअल माध्यम से संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि चंपावत को आदर्श जिला बनाने के संकल्प को धरातल पर उतारने के लिए राज्य सरकार निरंतर कार्य कर रही है। स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि चंपावत उनके लिए केवल एक विधानसभा क्षेत्र नहीं, बल्कि कर्मभूमि है। उन्होंने कहा कि ब्लड कंपोनेंट सेपरेशन यूनिट की स्थापना से जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को नई मजबूती मिलेगी। इस सुविधा के माध्यम से आपातकालीन परिस्थितियों में मरीजों को आवश्यक जीवनरक्षक रक्त घटक समय पर उपलब्ध हो सकेंगे। चंपावत जिले में पहली बार यह सुविधा उपलब्ध हुई है। इससे पहले कुमाऊं मंडल के जिला चिकित्सालयों में यह सुविधा रुद्रपुर और पिथौरागढ़ में उपलब्ध थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिला चिकित्सालय चंपावत में लगभग 20 करोड़ रुपये की लागत से 50 बेड का अत्याधुनिक क्रिटिकल केयर ब्लॉक का निर्माण किया गया है। इसके साथ ही सीटी स्कैन, एमआरआई और डायलिसिस यूनिट जैसी सुविधाएं स्थापित की जा चुकी हैं। जिला चिकित्सालय में लगभग 11.71 करोड़ रुपये की लागत से लोअर ग्राउंड फ्लोर पर पार्किंग तथा प्रथम एवं द्वितीय तल पर डायग्नोस्टिक विंग और ऑपरेशन थिएटर का निर्माण किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उत्तराखंड विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। राज्य सरकार ने चंपावत को आदर्श जिला बनाने का संकल्प लिया है और इस दिशा में विभिन्न क्षेत्रों में योजनाबद्ध तरीके से कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिले में विभिन्न मोटर मार्गों के निर्माण एवं चौड़ीकरण के कार्यों के साथ ही जाम की समस्या के समाधान के लिए आधुनिक पार्किंग सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। चंपावत रोडवेज स्टेशन में 62 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से आधुनिक बहुमंजिला पार्किंग एवं शॉपिंग कॉम्प्लेक्स का निर्माण कार्य शुरू होने वाला है। मां पूर्णागिरि धाम, रीठा साहिब और पर्यटन आवास गृह में भी पार्किंग सुविधाओं का विकास किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि चंपावत में भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए मजबूत आधारभूत सुविधाओं का विकास किया जा रहा है। जिले में 66 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से आधुनिक सिटी ड्रेनेज सिस्टम विकसित किया जा रहा है। भूमिगत विद्युत लाइनों का कार्य भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसके साथ ही 240 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से जिले की पेयजल व्यवस्था को मजबूत किया जा रहा है। साइंस सेंटर, महिला स्पोर्ट्स कॉलेज और आधुनिक आईएसबीटी जैसी महत्वपूर्ण परियोजनाएं भी चंपावत के विकास को नई दिशा प्रदान कर रही हैं।मुख्यमंत्री ने कहा कि चंपावत को विकास, स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यटन और आधारभूत सुविधाओं के क्षेत्र में उत्तराखंड का आदर्श मॉडल बनाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि चंपावत के विकास का कोई भी सपना अधूरा नहीं रहने दिया जाएगा और जिले के प्रत्येक गांव को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के साथ ही युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

तथ्यपरक पत्रकारिता से जनकल्याणकारी योजनाओं की पहुंच होगी और प्रभावी

संवाददाता

गोपेश्वर। पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी), देहरादून, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के तत्वावधान में गुरुवार को जिला पंचायत सभागार, गोपेश्वर में क्षेत्रीय मीडिया कार्यशाला 'वार्तालाप' का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, विकासपरक पहलों एवं जनहितकारी कार्यक्रमों की जानकारी मीडिया प्रतिनिधियों तक पहुंचाने के साथ ही इन योजनाओं के प्रभावी प्रचार-प्रसार में मीडिया की भूमिका पर सार्थक संवाद स्थापित करना रहा।

कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष दौलत सिंह बिष्ट मुख्य अतिथि के रूप में तथा नगर पालिका अध्यक्ष संदीप रावत, जिलाधिकारी गौरव कुमार एवं पुलिस अधीक्षक सुरजीत सिंह पंवार विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला पंचायत अध्यक्ष दौलत सिंह बिष्ट ने कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का वास्तविक लाभ तभी समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच सकता है, जब उनकी सही और उपयोगी जानकारी समय पर आमजन तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि इस दिशा में मीडिया की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। स्थानीय मीडिया अपनी व्यापक पहुंच के माध्यम से दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को योजनाओं के प्रति जागरूक करने और पात्र लाभार्थियों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है।

कार्यशाला के विभिन्न सत्रों में आयुष्मान भारत, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन एवं जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम, ई-20 पहल एवं हरित ईंधन, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन एवं स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिला सशक्तीकरण, प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना, नशा मुक्त भारत अभियान, जीआई टैगिंग तथा ओडीओपी (एक जिला एक उत्पाद) सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं एवं कार्यक्रमों की जानकारी दी गई।

विषय विशेषज्ञों ने योजनाओं के उद्देश्य, पात्रता, लाभ, आवेदन प्रक्रिया एवं क्रियान्वयन से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां साझा करने के साथ ही पत्रकारों द्वारा पूछे गए सवालों, जिज्ञासाओं एवं शंकाओं का भी समाधान किया। पत्रकारों ने योजनाओं के जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन, पात्र लाभार्थियों तक लाभ पहुंचाने तथा प्रचार-प्रसार से जुड़े विभिन्न प्रश्न उठाए, जिनका विषय विशेषज्ञों ने तथ्यपरक एवं विस्तृत जानकारी देकर निराकरण किया। इससे पत्रकारों को योजनाओं की बेहतर समझ विकसित करने और उनके बारे में आमजन तक सही एवं प्रमाणिक जानकारी पहुंचाने में मदद मिली।

विषय विशेषज्ञों ने कहा कि योजनाओं का वास्तविक लाभ तभी व्यापक स्तर तक पहुंच सकता है, जब पात्र लाभार्थियों को इनकी सही, सरल एवं तथ्यपरक जानकारी समय पर मिले। इस दिशा में मीडिया प्रशासन और जनता के बीच एक महत्वपूर्ण सेतु के रूप में कार्य कर सकता है।जिलाधिकारी गौरव कुमार ने कहा कि जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी केवल जिला मुख्यालय तक सीमित न रहकर ब्लॉक एवं ग्राम स्तर तक प्रभावी ढंग से पहुंचनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मीडिया प्रशासन और जनता के बीच महत्वपूर्ण कड़ी है। योजनाओं की सही जानकारी आमजन तक पहुंचाने के साथ-साथ उनके क्रियान्वयन से जुड़ी समस्याओं को भी प्रशासन के संज्ञान में लाकर बेहतर जनसंवाद स्थापित किया जा सकता है।कार्यशाला में 'जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रसार में मीडिया की भूमिका' विषय पर विशेष संवाद आयोजित किया गया। इसमें पत्रकारों ने योजनाओं के प्रचार-प्रसार, ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों तक सूचनाओं की पहुंच, जनजागरूकता तथा प्रशासन और जनता के बीच बेहतर संवाद स्थापित करने से जुड़े अपने सुझाव एवं अनुभव साझा किए।कार्यशाला में मुख्य विकास अधिकारी डॉ. अभिषेक त्रिपाठी, पीआईबी देहरादून के सहायक निदेशक संजीव सुन्द्रियाल, प्रेस क्लब चमोली के संरक्षक क्रांति भट्ट सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, विषय विशेषज्ञ तथा जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से आए पत्रकार उपस्थित रहे।

स्विफ्ट कार में सवार युवकों ने की पटेलनगर क्षेत्र में फायरिंग

देहरादून। स्विफ्ट कार में सवार युवकों द्वारा पटेलनगर क्षेत्र में फायरिंग किये जाने की घटना में शामिल अभियुक्त को दून पुलिस ने चंद घंटों में गिरफ्तार कर घटना मे प्रयुक्त कार को सीज कर दिया। पुलिस के अनुसार पूर्व में कॉलेज में हुए विवाद के चलते अभियुक्तों द्वारा फायरिंग की घटना को अजांम दिया गया था। घटना में शामिल अभियुक्त के अन्य साथियों की गिरफ्तारी के लिये पुलिस टीमों द्वारा लगातार दबिशें दी जा रही हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार आज पुलिस कन्ट्रोल के माध्यम से स्विफ्ट कार में सवार युवकों द्वारा पटेलनगर क्षेत्र में फायरिंग किये जाने तथा उसमें 01 युवक के घायल होने की सूचना कोतवाली पटेलनगर को प्राप्त हुई, प्राप्त सूचना पर कोतवाली पटेलनगर से पुलिस बल तत्काल मौके पर पहुंचा तथा घटना के सम्बंध में आस-पास के लोगो से पूछताछ कर आवश्यक जानकारी प्राप्त की गई। उक्त घटना में घायल युवक साहिल को उसके साथियों द्वारा उपचार हेतु महंत इन्द्रेश अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना के सम्बंध में घायल युवक के साथी अशुंल पुत्र शिवकुमार, निवासी शिकारपुर, मंगलौर द्वारा एक प्रार्थना पत्र कोतवाली पटेलनगर पर दिया गया, जिसके उसके द्वारा बताया गया कि उसका तथा उसके साथी आदित्य व सुजल का गुरमीत नाम के एक युवक के साथ विवाद चल रहा था, जिसके चलते गुरमीत द्वारा अपने अन्य साथियों अमन, रोहित व एक अन्य के साथ मिलकर उन पर फायरिंग की गई, जिसमें उसके साथी साहिल को गोली लग गई। वादी द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर कोतवाली पटेलनगर में तत्काल मु.अ.सँ. - 544/26 धारा 109/3(5)/352 बीएनएस के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया। घटना की गंभीरता के दृष्टिगत कन्ट्रोल रूम के माध्यम से जनपद के सभी थानो व सीमावर्ती चौक पोस्टों को संदिग्ध कार सवारों की तलाश हेतु अवगत कराया गया । घटना के बाद पुलिस द्वारा की गई त्वरित कार्यवाही तथा पूर्व से सम्पूर्ण जनपद में चलाये जा रहे सघन चौकिंग अभियान के परिणामस्वरूप पुलिस द्वारा घटना में शामिल 01 अभियुक्त रोहित पुत्र प्रदीप सिंह, निवासी ग्राम दलेडी, थाना बडगांव, सहारनपुर, उत्तर प्रदेश, हाल होटल मैनेजमेंट का छात्र, सुभारती कॉलेज, देहरादून को घटना में प्रयुक्त कार संख्या एचआर- 51-एजैड-0890 के साथ चौकिंग के दौरान नया गांव बैरियर से गिरफ्तार किया गया। घटना में शामिल अभियुक्त के अन्य साथियों की तलाश हेतु पुलिस की अलग-अलग टीमो द्वारा उनके सभी सम्भावित स्थानों पर दबिशे दी जा रही है। गिरफ्तार अभियुक्त से पूछताछ में उसके द्वारा बताया गया कि उसके साथ घटना में शामिल अभियुक्त गुरमीत का उक्त युवकों के साथ किसी बात को लेकर विवाद चल रहा था तथा उक्त विवाद के चलते आज गुरमीत द्वारा उनके साथ मिलकर आईटीएस कॉलेज वाली रोड पर आदित्य, सुजल व उसके साथियों पर फायरिंग की थी। उक्त फायरिंग में किसी को कोई चोट नही आई। मौके पर लोगो के इकटठा होने पर वे सभी स्विफ्ट कार से मौके से फरार हो गये थे।

स्वामी एवं प्रकाशक मौ. वसी के लिये मुद्रक नुसरत निशान खान द्वारा कौमी गुलदस्ता प्रिंटर्स, विलेज आमवाला, पोस्ट घंघौरा, देहरादून द्वारा, उत्तराखण्ड-248141 से मुद्रित एवं 5, लेन नम्बर 2, नामदेव एन्क्लेव फेस 2, ब्राहम्णवाला, देहरादून उत्तराखण्ड- 248171 से प्रकाशित। सम्पादक-मौ. वसी,
समस्त विवाद के लिये न्याय क्षेत्र देहरादून मान्य होगा। सम्पर्क- 9411112331
हमारे अखबार के ताजा अंक को ऑनलाइन पढ़ने के लिये www.aawamindia.com वेबसाइट पर जायें।
facebook: www.facebook.com/indiaaawam, youtube:www.youtube.com/@aawamindia,
X:www.x.com/aawamindia, Instagram:https://instagram.com/aawamindia